इंदौर | शनिवार । 1 नवम्बर 2025 । वर्ष 65 । अंक 267 । पृष्ठ 12 । मूल्य रु. 5.00 | navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

एक नजर में

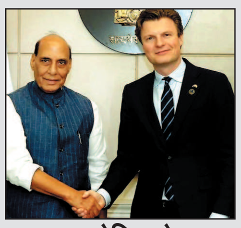

भारत-अमेरिका के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली. भारत और अमेरिका ने रक्षा उद्योग, सेनाओं और रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ान के लिए दस वर्ष के महत्वाकांक्षी रक्षा समझौते (रक्षा फ्रेमवर्क समझौते) पर हस्ताक्षर किए हैं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 12वीं बैठक में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते के अंतर्गत अमेरिका भारत के साथ उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करेगा.

रेवंत रेड्डी सरकार में मो. अजहरुद्दीन बने मंत्री

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के तौर पर शपथ ली. राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में हुए एक समारोह में अजहरुद्दीन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. अजहरुद्दीन ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ के आखिर में 'जय तेलंगाना' और 'जय हिंद' के नारे लगाए. मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री, स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के चेयरमैन सुखेन्द्र रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे. कार्यक्रम में अजहरुद्दीन के बेटे मोहम्मद असदुद्दीन भी मौजूद थे.

अफगान-पाकिस्तान युद्धविराम बनाए रखेंगे

काबुल. अफगानिस्तान और पाकिस्तान युद्धविराम बनाए रखने पर सहमत हो गए हैं और वे अगले सप्ताह तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में वरिष्ठ स्तर की वार्ता का एक और दौर आयोजित करेंगे. अफगानिस्तान के सरकारी सूत्रों ने एक बयान जारी करके यह जानकारी दी. अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तुर्की और कतर के प्रतिनिधियों ने 25 से 30 अक्टूबर तक इस्तांबुल में बैठक की, जिससे इस महीने की शुरुआत में दोहा में तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते को मजबूत किया जा सके. बयान में कहा गया है, सभी पक्ष युद्धविराम जारी रखने पर सहमत हुए हैं. साथ ही, यह भी कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर आगामी छह नवंबर को इस्तांबुल में एक प्रमुख-स्तरीय बैठक के दौरान चर्चा की जाएगी और उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा.

राष्ट्रहित के लिए अडिग रहे लौह पुरुष

सरदार पटेल की जयंती : मुख्यमंत्री ने रन फॉर यूनिटी को दिखाई हरी झंडी

भोपाल, 31 अक्टूबर. लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन शौर्य स्मारक पर किया गया. यहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थितजन को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और रन फॉर यूनिटी को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और भारत माता एवं सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर देश भक्तिपूर्ण गीतों की धुनें प्रस्तुत की गईं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व, अटूट इच्छाशक्ति और अदम्य देश भक्ति ने आजादी के बाद बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में बांधने के लिए 562 रियासतों का विलय कराया था. भारत को एक राष्ट्र में संगठित करने का उनका कार्य इतिहास की सबसे उल्लेखनीय प्रशासनिक उपलब्धियों में गिना जाता है. अपने विशिष्ट व्यक्तित्व में कठोरता और करुणा का अद्भुत संगम लिए वे जहां एक ओर राष्ट्रहित प्रथम के पक्ष पर सदैव अडिग थे. वहीं देश की जनता के प्रति वे गहरी संवेदना रखते थे. वे जनता की नब्ज समझते थे। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि सच्चा नेतृत्व, स्पष्ट वक्तव्य, निर्णायक कार्यों, स्थिर बुद्धि, लौह संकल्प और शक्तिशाली निर्णयों से पहचाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल मूलतः एक साधारण किसान परिवार से थे। उनके बड़े भाई विट्ठल भाई पटेल थे। दोनों भाइयों ने अपने-अपने क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। वल्लभभाई ने अपने भाई के कहने पर विदेश जाकर कानून की शिक्षा प्राप्त की। वे भारतीय राजनीति में एक मिसाल थे, उन्होंने किसानों के साथ हुए अन्याय को देख गांधी जी के आंदोलन में सक्रियता से भाग लेना आरंभ किया। बारडोली आंदोलन के बाद उन्हें सरदार की उपाधि मिली। फिर चाहे नमक आंदोलन हो या भारत छोड़ो आंदोलन, सरदार वल्लभभाई पटेल हर आंदोलन की रीढ़ बन गए।

> कार्यक्रम को संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, रविन्द्र यति सहित मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला और बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

फिरोजपुर सेक्टर में पकड़ा पाक घुसपैठिया

चंडीगढ़, 31 अक्टूबर. बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर बड़ी कार्रवाई की है. फिरोजपुर सेक्टर के साथ जलालाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी नागरिक को अवैध रूप से सीमा में दाखिल होने पर गिरफ्तार किया है.

बीएसएफ के अनुसार बार्डर आउटपोस्ट के पास डयूटी पर तैनात हवलदार शेख हामिद तथा कांस्टेबल पवन कुमार ने सतलुज दरिया के किनारे एक पाकिस्तानी नागरिक को संदिग्ध तरीके से भारतीय सीमा में दाखिल होते हुए देखा.

जवानों ने चेतावनी के बाद घेराबंदी करके उसे हिरासत में ले लिया. प्रारंभिक जांच में पकड़े गए पाक नागरिक ने अपना नाम इमतियाज अहमद निवासी गांव परवाल, तहसील नरवाल, जिला शकरगढ़ पाकिस्तान बताया है.

सम्मान से समझौता नहीं करेगा भारत

- प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को किया संबोधित
- ये लौहपुरुष सरदार पटेल का भारत है : पीएम मोदी

वडोदरा, 31 अक्टूबर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात के एकता नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि ये लौहपुरुष सरदार पटेल का भारत है, जो सुरक्षा और सम्मान से कभी समझौता नहीं करेगा.

उन्होंने कहा कि यह गर्व और प्रेरणा का पल है. हमने संकल्प लिया है कि हम ऐसे कार्यों को बढ़ावा देंगे, जो देश की एकता को मजबूती दें. पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल जयंती पर हम सभी एक महान क्षण के साक्षी बन रहे हैं. देशभर में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह है. हम नए भारत की संकल्प शक्ति को महसूस कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज सरदार पटेल की जयंती का दिन स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय एकता का महापर्व बन गया है, जिस तरह हम 140 करोड़ देशवासी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, वैसे ही एकता दिवस का महत्व हमारे लिए प्रेरणा और गर्व का पल है. सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए. हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए. उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है.

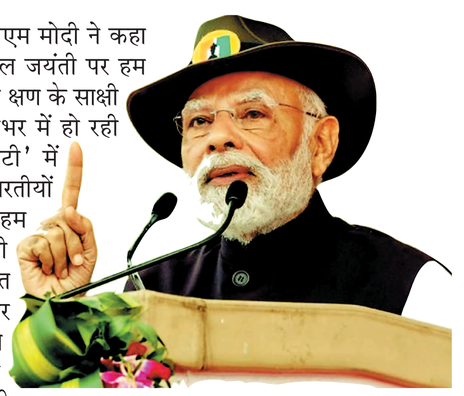

आसमान में दिखेगा विकसित मप्र का नजारा

मप्र का स्थापना दिवस आज तीन दिन तक होंगे कार्यक्रम

दो हजार ड्रोन लाल परेड मैदान में एक साथ उड़ेंगे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 31 अक्टूबर. राजधानी के लाल परेड मैदान में शनिवार शाम को आसमान में विकसित मप्र का नजारा दिखेगा. सूर्यास्त के बाद शाम 6.30 बजे आसमान में एक साथ दो हजार ड्रोन उड़ान भरेंगे और प्रदेश के विकास की नई तस्वीर पेश करेंगे. ये प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा विजुअल -शो होगा. इसके लिये पूरी तैयारी कर ली गई है.

स्थापना दिवस पर पहली बार तीन दिन तक मेगा आयोजन होंगे. राज्य स्तरीय मुख्य समारोह के लिये बड़े स्तर पर तैयारियों की है. उसके बाद भगवान श्रीकृष्ण की जीवन यात्रा पर एक संगीतमय कार्यक्रम होगा. अगले चरण में पार्श्वगायक जुबिन नौटियाल गी-संगीत की प्रस्तुति देंगे और फिर आखिर में भव्य आतिशबाजी होगी. हालांकि कार्यक्रम के दौरान राजधानी में छाये कोहरे और बादलों के कारण मौसम के खलल डालने की आशंका बनी हुई है. इससे तैयारियों में लगे अफसरों के चेहरे पर चिंता की लकीरों को साफ पढ़ा जा सकता है. फिर भी तैयारियों को भी उसी हिसाब से अंतिम रूप दिया जा रहा है. शनिवार को स्थापना दिवस पर एक लाख से अधिक लोगों के हिसाब से इंतजाम किया जा रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 6.30 बजे 70वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस अभ्युदय मध्यप्रदेश का शुभारंभ करेंगे.

> **500 कलाकार देंगे विशेष प्रस्तुति**
>
> प्रदेश के 500 कलाकार विशेष प्रस्तुति के रूप में भगवान श्रीकृष्ण की जीवन यात्रा को विश्ववंद समवेत प्रस्तुति में सांगीतिक रूप में प्रस्तुत करेंगे. एक नवम्बर, को सायंकालीन गतिविधि से पूर्व प्रातः 11 बजे से लाल परेड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ यादव करेंगे.

अब दिसंबर 2026 तक डीजीपी बने रहेंगे मकवाना

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 31 अक्टूबर. प्रदेश के मौजूदा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना दिसंबर 2025 में रिटायर नहीं होंगे, वे अब दिसंबर 2026 तक प्रदेश के डीजीपी बने रहेंगे.

गृह विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं. दरअसल गृह विभाग ने वर्ष 2025 की अवधि में सेवानिवृत्त होने वाले भारतीय पुलिस सेवा के अफसरों में मौजूदा डीजीपी मकवाना का नाम भी शामिल कर लिया था. गृह विभाग ने 3 जुलाई 2024 को इस संबंध में आदेश जारी किये थे, जिसमें वर्ष 2025 की अवधि के दौरान 60 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 17 आईपीएस अफसरों के नाम शामिल किये थे.

1988 बैच के आईपीएस मकवाना का जन्म 11 दिसंबर 1965 का है, इसलिये उनका रिटायरमेंट दिसंबर 2025 में तय था, लेकिन फिर बाद में गृह विभाग ने 23 नवंबर 2024 को उन्हें पुलिस महानिदेशक के पद पर पदस्थ करने के आदेश जारी किये थे, इस आदेश के मुताबिक उन्होंने एक दिसंबर 2024 को प्रदेश के पुलिस महानिदेशक का दायित्व संभाल लिया था.

अदालती आदेश पर सो रहे मुख्य सचिव

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों के प्रबंधन से संबंधित मामले में सुनवाई की. कोर्ट ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को वर्चुअल रूप से पेश होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है और निर्देश दिया कि उन्हें न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना पड़ेगा.

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपने निर्देशों का बार-बार पालन नहीं करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और मुख्य सचिवों को शारीरिक रूप से उपस्थित होने से छूट देने के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध को खारिज कर दिया.

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, उन्हें प्रत्यक्ष रूप से आने दीजिए. दुर्भाग्यवश न्यायालय उन समस्याओं से निपटने में समय बर्बाद कर रहा है, जिन्हें राज्य सरकारों और नगर निगमों को सुलझाना चाहिए था.

पीठ ने अनेक राज्यों तो अदालत के आदेशों का सम्मान नहीं करने के लिए फटकार लगाई और कहा, संसद नियम बनाती है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती. हम उनसे अनुपालन हलफनामा दाखिल करने की अपेक्षा करते हैं, जिसमें कहा गया हो कि वे इसे अनदेखा कर रहे हैं. अदालत के आदेश का कोई सम्मान नहीं है. उन्हें आने दीजिए हम उनसे निपट लेंगे. उन्हें स्वयं आकर बताना होगा कि अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया. सॉलिसिटर जनरल मेहता ने पीठ को सूचित किया कि अनुपालन हलफनामे दायर किए जा चुके हैं. हालांकि न्यायालय ने पाया कि शायद ये पिछली सुनवाई की तारीख के बाद प्रस्तुत किए गए हैं क्योंकि उस समय केवल तीन हलफनामे ही रिकॉर्ड में थे.

बिहार चुनाव : राजग ने जारी किया 25 सूत्रीय संकल्प पत्र

- प्रदेश के तीव्र विकास पर दिया जोर
- कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा रहे मौजूद

पटना, 31 अक्टूबर (वार्ता) बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शुक्रवार को अपना 25 सूत्री संकल्प पत्र (मेनिफेस्टो) जारी किया.

संवाददाता सम्मेलन में संकल्प पत्र का विमोचन किया गया. यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार चुनाव के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा नेता विनोद तावड़े, लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख चिराग पासवान आदि मौजूद रहे.

मध्यप्रदेश में निवेश, नवाचार और रोजगार के संकल्प का अभ्युदय

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर विशेष

मध्यप्रदेश आज अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है. एक नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए मध्यप्रदेश में विकास की नई यात्रा विगत दो दशकों से आरंभ हुई, जो प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की संभावनाओं तक पहुंच गई है. यह सुखद संयोग है कि आज देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है. हमारे तीज, त्यौहार और परंपराएं हमारी संस्कृति का आधार हैं. उत्सव के आनंद से ही भविष्य निर्माण के भाव निर्मित होते हैं. मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश में सभी त्योहारों को व्यापक स्वरूप में मनाया जा रहा है. अपने त्यौहारों का सांस्कृतिक संदर्भ ही हमें पुरातन से नूतन की प्रेरणा देता है.

हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत का हृदय मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है. हमें मां नर्मदा, चंबल, पार्वती, शिप्रा नदियों का सान्निध्य और बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त है. यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्यजी की तपोस्थली है. मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में लंबा समय व्यतीत किया है. इतिहास प्रसिद्ध राजा नल, भर्तृहरि, विक्रमादित्य की जन्म स्थली भी मध्यप्रदेश रही है. सम्राट विक्रमादित्य ने ही शकों के आतंक से भारत को मुक्त किया था. संसार की पहली वैज्ञानिक कालगणना विक्रम संवत का आरंभ भी मध्यप्रदेश के उज्जैन से हुआ था.

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हम अपने ऐतिहासिक गौरव की दिव्यता और प्राकृतिक भव्यता के साथ विरासत से विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं. हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है. प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को साकार करने और विकसित भारत निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं. प्रदेश में उद्योग वर्ष मनाने के साथ राज्योत्सव की थीम उद्योग और रोजगार रखी गई है. इसमें प्रदेश के सतत विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी का भाव है.

यशस्वी प्रधानमंत्री की प्रेरणा से हमें निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा को परिणाम में बदलने का अवसर प्राप्त हो रहा है. विविधता से समृद्ध मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है, जिसमें अनंत संभावनाएं हैं. इसी को केंद्र में रखकर हमने प्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया. मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्योग इसमें शामिल हुआ है. व्यापार को सरल बनाने और निवेशकों से सीधे संवाद के लिए हमने मार्च 2024 से उज्जैन से निवेश यात्रा शुरू की और फिर जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी, जापान, दुबई तक इसे विस्तार दिया. विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय रोड-शो के माध्यम से मध्यप्रदेश के निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है.

निवेशकों को एक सक्षम, सरल और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया गया है. प्रदेश में इनोवेशन हब, स्टार्टअप पॉलिसी, फंडिंग सपोर्ट और इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित कर देश की स्टार्टअप क्रांति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है. मुझे यह बताते हुए खुशी है कि मध्यप्रदेश ने पिछले एक वर्ष में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों ने प्रदेश में निवेश के प्रति गहरी रुचि दिखाई है. खनिज कॉन्क्लेव में प्रदेश को 56 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले, जो खनिज नीति और प्रशासनिक सरलता का परिणाम हैं. आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक निर्माण इकाइयां और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भी निवेश को प्रोत्साहन मिला है. मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि प्रदेश एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है, जहां निवेश, नवाचार और रोजगार आधार स्तंभ हैं. लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने उद्योग, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यावरण, ऊर्जा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की हैं. भारत के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का मंत्र दिया है. विकास के इन आधार स्तंभ के अनुरूप प्रदेश विकास और कल्याण के लिए युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत कार्य किया जा रहा है.

गरीब कल्याण मिशन में स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आवास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य किया जा रहा है. मध्यप्रदेश कौशल विकास मिशन और स्टार्टअप नीति 2025 ने युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर में परिवर्तित किया है. कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को उद्योग-आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं....